

बी.टेक. की पढ़ाई हन्दी भाषा में

चर्चा में क्यों?

23 अक्टूबर, 2021 को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली ने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से बी.टेक. की पढ़ाई हन्दी भाषा में करवाने के लिये हरियाणा के तीन तकनीकी विश्वविद्यालयों को मान्यता प्रदान की है।

प्रमुख बंदि

- हरियाणा के जनि तीन तकनीकी विश्वविद्यालयों को मान्यता मली है, उनमें गुरु जंभेश्वर वज्जान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (हसिार), दीनबंधु छोटूराम वज्जान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (मुरथल) तथा जगदीश चंदर बोस वज्जान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (फरीदाबाद) शामिल हैं।
- गुरु जंभेश्वर वज्जान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हसिार को संगणक वज्जान अभियांत्रिकी (कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग), सूचना प्रौद्योगिकी (इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी), इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग), यांत्रिक अभियांत्रिकी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) सहति चार शाखाओं के लिये प्रत्येक शाखा में 30 सीटों की मान्यता दी गई है।
- दीनबंधु छोटूराम वज्जान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल ज़िला सोनीपत को वदियुतीय अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) एवं यांत्रिक अभियांत्रिकी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) दो शाखाओं के लिये प्रत्येक शाखा में 30 सीटों की मान्यता दी गई है।
- जगदीश चंदर बोस वज्जान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद को यांत्रिक अभियांत्रिकी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) में 30 सीटों की मान्यता दी गई है।